

पर्यटन के नक्शे पर मध्यप्रदेश की नई छलांग

2025 में 21 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, घरेलू आगमन 57% और विदेशी पर्यटकों की संख्या 9.10% बढ़ी

भोपाल, यश भारत ।

प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत और वन्यजीवों की विविधता के चलते मध्यप्रदेश ने वर्ष 2025 में पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल की। प्रदेश में वर्षभर में 21 करोड़ 5 लाख 42 हजार 503 पर्यटकों का आगमन हुआ, जो 2024 के मुकाबले करीब 57 प्रतिशत अधिक है। इनमें 21 करोड़ 3 लाख 59 हजार 468 घरेलू और 1 लाख 83 हजार 35 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी 9.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटन स्थलों में उज्जैन 8 करोड़ 40 लाख से अधिक पर्यटकों के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद इंदौर में 2.80 करोड़, चित्रकूट में 1.62 करोड़ और मैहर में 1.61 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे।



दतिया का रतनगढ़ मंदिर, नलखेड़ा का मां बगलामुखी मंदिर, अमरकंटक, जामसांवली और पीताम्बरा पीठ भी प्रमुख आस्था केंद्र रहे। कुल मिलाकर करीब 16.92 करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रदेश के धार्मिक

स्थलों का भ्रमण किया। धार्मिक पर्यटन के साथ विरासत पर्यटन ने भी अपनी पहचान मजबूत की। वर्ष 2025 में करीब 59 लाख पर्यटक ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों पर पहुंचे। भोजपुर,

ग्वालियर, मांडू, खजुराहो, सांची, भीमबेटका और ओरछा प्रमुख आकर्षण रहे। अशोकनगर के पास प्राणपुर को देश का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव विकसित किया गया है, जहां पर्यटक चंदेरी बुनकरों

की पारंपरिक कला को करीब से देख और हस्तशिल्प खरीद सकते हैं।

वन्यजीव पर्यटन प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा। कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, पेंच और सतपुड़ा सहित राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व में करीब 17 लाख वन्यजीव पर्यटक पहुंचे। विदेशी सैलानियों में भी वन्यजीव पर्यटन की विशेष रुचि रही। प्रदेश आए विदेशी पर्यटकों में से 93,412 यानी 51 प्रतिशत से अधिक ने वन्यजीव क्षेत्रों का भ्रमण किया। बांधवगढ़ में 31390 और कान्हा में 23992 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि कुनो में प्रोजेक्ट चीता के चलते 6,316 विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ।

पर्यटन के नए क्षेत्रों में भी विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के छह गांवों

को एस्ट्रो विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। करीब 666 होम स्टे संचालित हैं और युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के लिए पर्यटन कौशल मिशन शुरू किया गया है। हनुवंतिया जल महोत्सव, गांधीसागर फ्लोटिंग फेस्टिवल, कुनो फॉरेस्ट फेस्टिवल और चंदेरी फेस्टिवल जैसे आयोजन साहसिक एवं अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं।

ओंकारेश्वर में एकात्म धाम, महेश्वर में देवी अहिल्या बाई लोक और विभिन्न पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना विकास के साथ हेली पर्यटन और बेहतर कनेक्टिविटी पर भी जोर दिया जा रहा है। इस तरह धार्मिक, विरासत, ग्रामीण, वन्यजीव और साहसिक पर्यटन के विस्तार से मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र लगातार व्यापक होता जा रहा है।



मेरे सपनों का भारत में बच्चों ने उकेरी कल्पनाओं की तस्वीरें

भोपाल, यश भारत । सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को हिन्दी भवन में मेरे सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, महापौर मालती राय और विधायक भगवानदास सबनानी ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, मनोज राठौर, आरके सिंह बघेल, अशोक वाणी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट सहित तीर्थ सिंह मीणा, प्रदीप शेखावत, चैतन्य भार्गव, डॉ. योगेंद्र मुखर्जी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, प्रतिभागी विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गणेश विसर्जन पर निकली आकर्षक झांकियां



आष्टा, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी पर आष्टा में गणेश विसर्जन चल समारोह के दौरान देर रात तक आकर्षक झांकियां निकाली गईं। करीब एक दर्जन गणेश मंडलों ने पौराणिक प्रसंगों और गौ संरक्षण पर आधारित झांकियां प्रस्तुत कीं। सिविल अस्पताल चौराहे से शुरू हुआ चल समारोह परदेशीपुरा चौराहे पहुंचा। नगरपालिका की ओर से बनाए गए मंच पर नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा और नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने गणेश मंडलों और झांकी कलाकारों का स्वागत किया। झांकियों की 5100, 7100 और 11 हजार रुपए के नगद पुरस्कार दिए गए। विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर सहित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे।



माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में चयन

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। अब माही मणपुर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शनिवार को सिद्धीकगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जल विश्वास अभियान के दौरान विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर और कलेक्टर बालगुरु के. ने माही को सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि स्कूल में खेल सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महापौर मालती राय ने आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का किया शुभारंभ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों का सम्मान

भोपाल, यश भारत ।

हिन्दी भवन में शनिवार को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। महापौर मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर लोगों तक शासन की विभिन्न सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यती, आर.के. सिंह



बघेल, सुषमा बावीसा, जोन अध्यक्ष ब्रजुला सचान, आरती अनेजा, पूजा शर्मा और विनीता सोनी सहित पाषण्ड प्रियंका मिश्रा, सरोज असेरी,

बबीता डोंगरे, अनिता शुक्लारे, गिरिजा खटीक, विभागीय अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा दीदियां मौजूद रही।

बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट को दूसरा स्थान



आष्टा, यश भारत । जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट कोन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल अलीपुर के विद्यार्थियों ने समूह लोकगीत विधा में दूसरा स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महारो पियरलो घणो प्यारो लागे लोकगीत प्रस्तुत किया। रचना ठाकुर, मुस्कान वर्मा और सगीत शिक्षक शाश्वत यादव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। माही महेश्वरी, तनूजा वर्मा, ग्रंथ मेवाड़ा, देवांशी शर्मा, माही शर्मा और आरवी महेश्वरी ने सहभागिता की। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

अरिहंत पुरम से निकली जलयात्रा



आष्टा, यश भारत । पूर्णपूजा पर्व के अवसर पर अरिहंत पुरम अलीपुर स्थित श्री चंद्रप्रभु जिन मंदिर से दिगंबर जैन समाज ने भव्य जलयात्रा निकाली। श्रद्धालु भजन और जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए। अलीपुर चौराहे पर रायसिंह मेवाड़ा मित्र मंडल ने समाजजनों का साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मुनिश्री के चरण वंदन कर आशीर्वाद लिया गया। समाज के पदाधिकारी, पाषण्ड और अन्य लोग मौजूद रहे।

44 हजार 510 गणेश प्रतिमाओं का हुआ विधि-विधान से विसर्जन



भोपाल, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भोपाल नगर निगम द्वारा गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बीच शहर में बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विधि-विधान और ससम्मान विसर्जन कराया गया। 7 स्थायी विसर्जन घाटों और 29 अस्थायी विसर्जन स्थलों पर 42 हजार 318 छोटी तथा 2 हजार 197 बड़ी प्रतिमाओं सहित कुल 44 हजार 510 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। महापौर मालती राय और निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने विभिन्न विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निगम ने प्रमुख घाटों पर क्रेन, नाव, गोताखोर और अग्निशमन दल की तैनाती की है। पहुंच मार्गों पर प्रकाश, पेयजल और सफाई की व्यवस्था के साथ स्थायी घाटों पर नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए हैं। जोन स्तर पर

प्रतिमाओं के एकत्रीकरण के लिए टेंट, मेज-कुर्सियां, विसर्जन पात्र और पूजा सामग्री के लिए अलग-अलग पात्र उपलब्ध कराए गए हैं। प्रतिमाओं के परिवहन के लिए 30 विशेष विसर्जन वाहन लगाए गए हैं। निर्माल्य सामग्री को सूखा और गीला अलग कर उसके निष्पादन की व्यवस्था भी की गई है। प्रमुख घाटों में प्रेमपुरा में 7353 छोटी और 620 बड़ी, रानी कमलापति में 6300 छोटी और 140 बड़ी, खटलापुरा में 6231 छोटी और 270 बड़ी, शाहपुरा में 6103 छोटी और 234 बड़ी, बैरागढ़ में 5501 छोटी और 282 बड़ी, मालीखेड़ी में 3500 छोटी और 167 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 7330 छोटी और 484 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। निगम आयुक्त ने शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को विसर्जन प्रक्रिया सुचारू बनाए रखने और घाटों की लगातार सफाई कराने के निर्देश दिए।

राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताओं में अधिकारियों कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने लिया भाग

भोपाल, यशभारत । एम्स भोपाल में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2026 के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में श्रुतलेख हिंदी काव्यपाठ और राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। 17 सितंबर को श्रुतलेख एवं हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता हुई जिसमें अधिकारियों कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। काव्यपाठ में प्रतिभागियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। 18 सितंबर को हिंदीतर भाषी अधिकारियों कर्मचारियों के लिए विशेष काव्यपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें गुप ए और बी के अधिकारियों ने सहभागिता की। 22 सितंबर को राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता हुई, जिसमें गुप ए बी एवं सी के कर्मिक शामिल हुए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी भाषा लेखन काव्य अभिव्यक्ति एवं राजभाषा संबंधी ज्ञान को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। एम्स भोपाल में आयोजित हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक और प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। संस्थान का राजभाषा प्रकोष्ठ हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए नियमित रूप से प्रतियोगिताओं गतिविधियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

शहादत दिवस पर संस्कार में कार्यक्रम में भारत-पाकिस्तान युद्ध के जाबांज शहीद प्रेम रामचंदानी का स्मरण

हिरदाराम नगर, यशभारत

दीपमाला संस्कार पब्लिक स्कूल में सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वीर शहीद फ्लाईंग ऑफिसर प्रेम रामचंदानी को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संस्था के सचिव बसंत चेलाणी एवं कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव ने सैनिक के चित्र पर माल्यार्पण कर शत-शत नमन किया। चेलानी ने शहीद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 19 अक्टूबर 1941 को जन्मे प्रेम रामचंदानी ने मात्र 24 वर्ष की अल्पायु में ही 26 सितम्बर 1965 को देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 1965 के युद्ध के दौरान उन्होंने पाकिस्तान में 9 बार सफल



बमबारी की। 10वीं बार दुश्मन के हमले से उनका विमान क्षतिग्रस्त हो गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। 26 सितम्बर को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके अंतिम शब्द थे- 'मुझे अफसोस है कि अपने देश पर न्योछावर करने के लिए मेरे पास केवल एक ही जीवन है।'

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोटेसरी ईचार्ज प्रियांशी आडवानी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों ने भी शहीद प्रेम रामचंदानी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और विचारों से अवगत हुई छात्राएं

हिरदाराम नगर, यशभारत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'युग ऋषि' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, उपाध्यक्ष महेश दयारामानी, महासचिव राजेश हिंगोरानी एवं भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कोठारी ने पंडित जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और गूढ़ विचारों पर प्रकाश डाला। छात्रा नंदिनी धानक ने भाषण तथा तमन्ना नागर ने गीत की प्रस्तुति दी। इस दौरान 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े की प्रतियोगिताओं के



विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा पंडित जी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र दिखाया गया। कार्यक्रम में सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धर्म प्रकाश मोटवानी

सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. दिव्या वर्मा के निदेशन और पूनम मुखर्जी के संचालन में यह कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।



मिठी-नवनिध स्कूल में आयोजन हुआ

शिक्षाविद् ईश्वर चंद्र विद्यासागर को याद किया बच्चों ने

हिरदाराम नगर, यशभारत

नवनिध और मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से हुई। कार्यक्रम में साधु वासवानी सदन की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विचारोत्तेजक नाटक रहा। अभिनय के जरिए छात्राओं ने स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और सामाजिक समानता के लिए विद्यासागर द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रयासों को जीवंत कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि ईश्वर चंद्र

विद्यासागर द्वारा तैयार किए गए मजबूत आधार के कारण ही आज महिलाएँ शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा नैना गोस्वामी एवं संचालन सवालानी ने किया। मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष सभा आयोजित हुई। छात्रों ने प्रेरणादायी लघु नाटिका प्रस्तुत की। प्राचार्या रेखा केवलानी एवं उप-प्राचार्या दिव्या कुपलानी ने उनके जीवन-आदर्शों को अपनाकर समाज सुधार व शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन कंचन जावरानी ने किया।

‘वोट नहीं, राहुल का दिमाग चोरी हो गया’ -मुख्यमंत्री

राहुल गांधी पर फडणवीस का पलटवार, मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियों का मुद्दा गरमाया

मुंबई, यश भारत। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर महाराष्ट्र में सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के ‘वोट चोरी’ के आरोप पर पलटवार करते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कोई वोट चोरी नहीं हुई, बल्कि राहुल गांधी का दिमाग चोरी हो गया है। फडणवीस ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तर के अधिकताओं को मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है। फडणवीस ने पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि जिन क्षेत्रों में एसआईआर के दौरान मतदाताओं की संख्या में कमी आई, वहां



तुणमूल कांग्रेस चुनाव कैसे जीत गई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के प्रत्येक पन्ने और नाम पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर उपलब्ध है। किसी पात्र मतदाता का नाम छूटने पर भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। राहुल गांधी ने एसआईआर और

निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए ‘वोट चोरी’ का आरोप लगाया था। इसके जवाब में फडणवीस ने उन पर संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों के मन में अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, भारतीय रिजर्व बैंक और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को लेकर राहुल गांधी के रुख पर भी निशाना साधा। एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। वहीं, निर्वाचन विभाग की प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को सूची में अपना नाम जांचने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया जा रहा है।

गणित का सवाल बना ‘सजा’ की वजह

चौथी के छात्र को शिक्षक ने डंडे से पीटा, अभिभावक की शिकायत पर मामला दर्ज

छत्रपति संभाजीनगर, यश भारत। गणित का सवाल हल नहीं कर पाने पर चौथी कक्षा के छात्र की शिक्षक द्वारा डंडे से पिटाई करने का मामला सामने आया है। घटना वैजापुर तालुका के मकरमतपुरवाड़ी स्थित जिला परिषद स्कूल की बताई जा रही है। छात्र के पिता की शिकायत पर वैजापुर पुलिस ने शिक्षक राजू डुकरे के खिलाफ मामला दर्ज किया है।



शिकायत के अनुसार, कक्षा में गणित का सवाल हल नहीं कर पाने पर शिक्षक ने छात्र को डंडे से पीटा। मारपीट में छात्र के चेहरे और पिंडली पर चोट के निशान पड़ गए। स्कूल की छुट्टी के बाद छात्र रोते हुए घर पहुंचा और माता-पिता को पूरी घटना बताई। बच्चे के शरीर पर चोट के निशान देखकर अभिभावकों ने शिक्षक से संपर्क किया। छात्र के पिता ने शिक्षक को फोन कर मारपीट का कारण पूछा। आरोप है कि शिक्षक ने ‘एक बार ही मारा’ कहते हुए फोन काट दिया। इसके बाद पिता ने

पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कर्मचारी किसन गवली मामले की जांच कर रहे हैं। घटना के बाद अभिभावकों ने स्कूलों में बच्चों के साथ शारीरिक दंड के बजाय समझाइश और अनुशासन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूखे की मार, साथ रहेगा मदद का हाथ

फडणवीस की गारंटी, सूची से बाहर इलाकों की भी होगी जांच



नागपुर, यश भारत। महाराष्ट्र में कम बारिश से पैदा हुई सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए 265 तालुकों में सूखा घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सूची से बाहर रखे गए तालुकों की भी समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उन्हें ‘ट्रिगर-3’ के तहत सहायता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूखे की स्थिति में कोई भी प्रभावित व्यक्ति सरकारी मदद से वंचित नहीं रहेगा। फडणवीस के अनुसार, सूखाग्रस्त 265 तालुकों में 12 राहत उपाय और रियायतें लागू की गई हैं। किसानों को फसल नुकसान की सहायता निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी जाएगी। वहीं, सूची से बाहर के तालुकों में भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पीने के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक जिले के लिए पानी की उपलब्धता का प्रारूप तैयार किया गया है। जुलाई-अगस्त तक पीने के पानी के लिए आवश्यक आरक्षण रखने के बाद अतिरिक्त पानी रबी फसलों के लिए उपलब्ध करने पर विचार किया जाएगा। अल नीने के प्रभाव को देखते हुए फरवरी के अंत तक स्थिति गंभीर होने की आशंका है। इसे देखते हुए जरूरी उपायों को प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनावश्यक खर्च से बचकर सूखाग्रस्त क्षेत्रों की मदद करने की अपील की। इस बीच, छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से गड्डीचरोली के भामरागढ़ में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता दी जा रही है। स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

रेलवे याई में स्विफ्ट डिजायर से चोरी का कारोबार

अंधेरी आरपीएफ ने गिरोह का किया पर्दाफाश 3.55 लाख रुपये का तांबे का तार बरामद

मुंबई, यश भारत। रेलवे याई में चोरी करने के लिए स्विफ्ट डिजायर कार का इस्तेमाल करने वाले गिरोह का अंधेरी आरपीएफ ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य रेलवे की संपत्ति चुराकर उसे कबाड़ियों के हाथ बेचते थे। कार्रवाई में आरपीएफ ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।



अंधेरी आरपीएफ के वरिष्ठ निरीक्षक राजीव सिंह सलारिया के अनुसार, 26 सितंबर को अंधेरी याई में चोरी की सूचना मिलने के बाद उपनिरीक्षक भागीरथी मीना, मुकेश त्यागी और अन्य कर्मचारियों की टीम निगरानी कर रही थी। इसी दौरान याई में एक स्विफ्ट डिजायर कार पहुंची। जांच में पता चला कि आरोपी इसी कार से रेलवे याई में चोरी करने आते थे और चोरी का माल माझगांव के कबाड़ियों को बेच देते थे। आरपीएफ ने कबाड़ी ईश्वर जायसवाल और रमेश चंद जायसवाल को हिरासत में लेकर उनके पास से क्रमशः 35 और 100 किलो तांबे का तार बरामद किया। वहीं, रहीम जरार, अविनाश और गुलजार के पास से 200 किलो तांबे का तार मिला। बरामद माल की कुल कीमत करीब 3.55 लाख रुपये बताई गई है। तांबे का तार काटने वाले सलमान को भी हिरासत में लिया गया है। उसका साथी विक्रम और एक अन्य आरोपी फरार हैं। मामले की आगे की जांच उपनिरीक्षक भागीरथी मीना कर रही हैं।

गणपति विसर्जन में शोर का ‘धमाका’

107.8 डेसिबल तक पहुंची आवाज

मुंबई, यशभारत। मुंबई में गणपति विसर्जन के अंतिम दिन ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। ‘आवाज फाउंडेशन’ की ओर से 25 और 26 सितंबर को किए गए ध्वनि स्तर के आकलन में कई स्थानों पर आवाज का स्तर निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक पाया गया। बांद्रा (पश्चिम) में रात 10.03 बजे बँजो और लाउडस्पीकर के दौरान अधिकतम 107.8 डेसिबल शोर दर्ज किया गया। वहीं वली में रात 10.28 बजे ढोल-ताशा के दौरान 107 डेसिबल तक आवाज रिकॉर्ड हुई।

गिरगांव चौपाटी पर रात 11.15 बजे राजनीतिक दल के बूथ पर लाउडस्पीकर से 103 डेसिबल तक आवाज दर्ज की गई। आधी रात के बाद भी वहां 90 डेसिबल तक शोर रिकॉर्ड हुआ। ओपेरा हाउस में रात 12.06 बजे बिना लाउडस्पीकर वाली विसर्जन मिरवणूक के दौरान भी 84.9 से 87 डेसिबल तक आवाज दर्ज की गई। फाउंडेशन के अनुसार, रात 10



बजे से सुबह 6 बजे के बीच आवासीय क्षेत्रों में 45 डेसिबल और शांत क्षेत्र में 40 डेसिबल की सीमा लागू है। संस्था ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्य सचिव और मुंबई पुलिस आयुक्त को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। हालांकि, संस्था ने यह भी कहा कि इस वर्ष अधिकांश गणेश मंडलों ने ट्रक पर लगे डीजे और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया।

कचरे में फेंके जूते-चप्पलों को मिलेगा नया जीवन

गणेशोत्सव के बाद मनपा ने जुटाए करीब 8 टन फुटवियर, जरूरतमंद बच्चों को किए जाएंगे वितरित

मुंबई, यश भारत। गणेशोत्सव के दौरान विसर्जन और आगमन जुलूसों के बाद सड़कों पर छूटे जूते-चप्पल अब कचरे में नहीं जाएंगे। मुंबई मनपा ने इस वर्ष करीब 8 टन जूते-चप्पल और सैंडल एकत्र किए हैं। इन्हें पुनर्वर्णन के लिए भेजकर जरूरतमंद बच्चों के उपयोग में लाया जाएगा।

मनपा के अनुसार, 29 अगस्त को गणेश प्रतिमाओं के आगमन जुलूस के दौरान ही करीब 4 टन फुटवियर जमा हुआ था। चिंचोपकली के चिंतामणि गणपति के जुलूस के बाद भारतमाता जंक्शन, जीजाबाई लेन और चिंचोपकली रेलवे स्टेशन के आसपास बड़ी संख्या में जूते-चप्पल

मिले। इन्हें फिलहाल परेल स्थित मनपा स्कूल परिसर में रखा गया है। इसके बाद इन्हें भिवंडी स्थित ग्रीनसोल फाउंडेशन के केंद्र में भेजा जाएगा। वहां जूते-चप्पलों को सफाई और छंटाई के बाद उपयोगी हिस्सों से नए या मरम्मत किए गए फुटवियर तैयार किए जाएंगे। अनुपयोगी सामग्री से स्कूल बैग और बैठने की चटाईयां भी बनाई जाएंगी। तैयार जूते-चप्पल मनपा स्कूलों और महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों में पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए जाएंगे। मनपा की इस पहल से कचरा कम करने के साथ पुनः उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

29 सितंबर से रोजगार महाकुंभ 25 हजार मौके

418 से अधिक रोजगार मेलों में 1,500 कंपनियां लेगी हिस्सा

मुंबई, यश भारत। राज्य के युवाओं को रोजगार के सीधे अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ‘पींठत दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ महाराष्ट्र’ का राज्यस्तरीय शुभारंभ 29 सितंबर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे। सुबह 11 बजे चर्चगेट स्थित एएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढा सहित कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। अभियान के तहत कौशल और नाशिक विभाग के 12 जिलों में 418 से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। इनमें मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, नाशिक, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले और नंदुरबार शामिल हैं। इन मेलों के माध्यम से 25 हजार से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इसमें 1,500 से अधिक कंपनियां और प्रतिष्ठान भाग लेंगे।

युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, कौशल और अनुभव के आधार पर उन्हें उपलब्ध रिक्रियायें से जोड़ा जाएगा। साथ ही साक्षात्कार की तैयारी के लिए संवाद कौशल, व्यक्तिगत विकास और रोजगारपरक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए विशेष रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें करीब 600 से 700 महिला उम्मीदवारों के शामिल होने की संभावना है। कंपनियां उम्मीदवारों को पद, योग्यता, वेतन और भर्ती प्रक्रिया की जानकारी देंगी।

दुर्गम आदिवासी पहाड़ों तक पहुंचेगी लालपरी

एसटी बेंड़े में शामिल होंगी 100 मिडी बसें

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के दुर्गम, पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तथा विद्यार्थियों की लंबी पैदल यात्रा रोकने के लिए राज्य परिवहन महामंडल के बेंड़े में 100 ‘पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी’ मिडी बसें शामिल की जाएंगी। 28 सीटों वाली ये बसें उन संकरी और कठिन सड़कों पर चलाई जाएंगी, जहां बड़ी बसों का पहुंचना मुश्किल है। यह जानकारी परिवहन मंत्री तथा एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने दी।

सरनाईक ने कहा कि कई आदिवासी बस्तियों और गांवों के विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज पहुंचने के लिए रोजाना 10 से 15 किलोमीटर तक पैदल चलना

पड़ता है। नई मिडी बसों के माध्यम से उनकी यह परेशानी कम होगी और शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य तथा बाजार से संपर्क आसान बनेगा।



उन्होंने कहा कि इन मागों पर बस सेवा आर्थिक रूप से लाभदायक नहीं भी हो सकती है, लेकिन आदिवासी नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा नफे-नुकसान से अधिक महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक परिवहन केवल कमाई का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी

भी है। ‘गांव वहां एसटी’ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब ‘बस्ती वहां एसटी’ की दिशा में काम किया जाएगा। दुर्गम आदिवासी पाड़ों को एसटी सेवा से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

जाति के नाम पर टिकट से नहीं होता समाज का विकास -गडकरी

राजनीति में योग्यता, काम और जनसेवा को मिले प्राथमिकता

नागपुर, यश भारत। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जाति आधारित राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल जाति के नाम पर चुनावी टिकट लेने से समाज का विकास नहीं होता। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि किसी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक विकास पर ध्यान देना जरूरी है।



सड़क, शिक्षा, रोजगार, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य समाज के सभी वर्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

गडकरी ने मतदाताओं से भी जाति के बजाय उम्मीदवार के काम और क्षमता को ध्यान में रखने की अपील की। उन्होंने अपने राजनीतिक अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी पहले जाति आधारित राजनीतिक रणनीति का प्रयोग किया था, लेकिन बाद में विकास और कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

एसआईआर के विरोध में 2 अक्टूबर से मुंबई में आंदोलन

सीईसी के इस्तीफे की मांग, कॉकरोच जनता पार्टी ने किया राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान



मुंबई, यशभारत। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) जनेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 2 अक्टूबर से मुंबई में राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन की ओर से कुमार को इस्तीफा देने के लिए दी गई समय-सीमा शनिवार को समाप्त हो गई। शनिवार को दिल्ली में हुई बैठक में आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, अभी पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के कारण स्थान अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। आजाद मैदान में प्रदर्शन होने की संभावना है।

सीजेपी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। संगठन ने सीईसी के इस्तीफे के साथ एसआईआर पर रोक, जनवरी 2025 की मतदाता सूची बहाल करने और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की है। संगठन का आरोप है कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग ने हालांकि चुनाव संबंधी निर्णयों को सर्वसम्मत् बताया है।

कर्ज, मौसम और फसल की मार से किसान बेहाल

आठ महीने में 653 किसानों ने दी जान, बीड में सबसे ज्यादा 149 मामले

छत्रपति संभाजीनगर, यश भारत। मराठवाड़ा में किसान आत्महत्या का संकट लगातार गहराता जा रहा है। जनवरी से अगस्त तक आठ महीनों में क्षेत्र के आठ जिलों में 653 किसानों ने आत्महत्या की। यानी औसतन हर दिन करीब तीन किसान इस घातक संकट की चपेट में आए। बीड 149 मामलों के साथ सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जबकि छत्रपति संभाजीनगर में 138 किसानों ने आत्महत्या की। आंकड़ों के मुताबिक,



धाराशिव में 88, नांदेड़ में 82, जालना में 61, लातूर में 46, परभणी में 45 और हिंगोली में 44 मामले सामने आए। इससे साफ है कि मराठवाड़ा का कोई भी जिला इस संकट से अछूता

नहीं है। लगातार बदलता मौसम किसानों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। कहीं अतिवृष्टि से फसल बर्बाद हुई तो कहीं बारिश की कमी ने उत्पादन प्रभावित किया।

सोयाबीन, कपास और तूर जैसी प्रमुख फसलों को नुकसान के साथ ही खेती की लागत भी लगातार बढ़ी है। बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी महंगी होने के बावजूद उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। कर्ज का बढ़ता बोझ, फसल नुकसान और आमदनी में गिरावट ने किसान परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, संकट से निपटने के लिए केवल मुआवजा नहीं, बल्कि सिंचाई, फसल मूल्य और ऋण व्यवस्था में दीर्घकालिक सुधार जरूरी है।

भारत में बढ़ते पारिवारिक सामूहिक हत्याकांड: गंभीर चिंता का विषय



भारत में परिवार के भीतर एक साथ कई लोगों की हत्या या सामूहिक मौत की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाओं के पीछे अक्सर पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव, संपत्ति विवाद, नशे की समस्या और अंधविश्वास जैसे कई कारण सामने आते हैं। हालांकि, किसी घटना के पीछे एक ही कारण मान लेना उचित नहीं है। आर्थिक संकट और कर्ज ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण कारक हो सकते हैं। व्यापार में भारी नुकसान, कर्ज, स्ट्रेबजी या निवेश में बड़ी आर्थिक क्षति से व्यक्ति अत्यधिक तनाव में आ सकता है। इसके चेतावनी संकेत हैं—लगातार पैसों की चिंता, परिवार से आर्थिक स्थिति छिपाना, अचानक निराश या चिड़चिड़ा रहना, नौकरी या कारोबार से जुड़ी गंभीर परेशानी और भविष्य को लेकर निराशाजनक बातें करना। पारिवारिक कलह और संपत्ति विवाद भी हिंसा का कारण बन सकते हैं। जमीन-जायदाद, वैवाहिक संबंधों में तनाव या लंबे समय से चले आ रहे विवाद स्थिति को गंभीर बना सकते हैं। बार-बार धमकी देना, अत्यधिक शक करना, गुस्से में चीजें तोड़ना, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करना या हिंसा की बात करना गंभीर चेतावनी संकेत माने जाने चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी भी जोखिम बढ़ा सकती है। अत्यधिक तनाव, गंभीर मानसिक बीमारी, नशे की समस्या या गुस्से पर नियंत्रण न होना व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। अचानक व्यवहार में बड़ा बदलाव, सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ना, असामान्य डर या संदेह, नींद में भारी बदलाव, अत्यधिक उत्तेजना या खुद अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि, मानसिक बीमारी को हिंसा का पर्याय मानना गलत है। अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र से जुड़े विश्वास भी कुछ मामलों में गंभीर परिणाम दे सकते हैं। किसी व्यक्ति का परिवार को खतरनाक धार्मिक अनुष्ठानों के लिए मजबूर करना या वास्तविक समस्याओं के बजाय अलौकिक कारणों को जिम्मेदार बताना चेतावनी का संकेत हो सकता है। इन संकेतों को देखकर परिवार को व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय शांतिपूर्वक बातचीत, भरोसेमंद लोगों की मदद और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ या कानूनी सहायता लेनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति से तत्काल हिंसा का खतरा हो, तो परिवार को पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए स्थानीय पुलिस या आपातकालीन सहायता से संपर्क करना चाहिए। ऐसी घटनाओं की रोकथाम केवल घटना के बाद कार्रवाई से नहीं, बल्कि समय रहते खतरे के संकेत पहचानने, संवाद बढ़ाने और सहायता उपलब्ध कराने से संभव है।



मेघ	तृष	
लौट री जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें झटौर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए	प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें	
मिथुन	कर्क	
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी अग्रज जी का पूजन करें	आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें	
सिंह	कन्या	
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेंगा देवी दुर्गा का पूजन करें	पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हटे रंग की वस्तुएं दान करें	
तुला	वृश्चिक	
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उम्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं	झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें	
धनु	मकर	
उपेक्षित महत्सुख होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें	सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में धिया जलाएं	
कुंभ	मीन	
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें	साहसिक भावना बढ़ेगी झहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें	

विचार प्रवाह

देह चली गई, स्वर रह गया – लता होने का अर्थ यही है

प्रसंगवश - 28 सितंबर: लता मंगेशकर जयंती

कुछ आवाजें सुनी नहीं जातीं—वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों की देहरी लौंघकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुंधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने 'लता' नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरू हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।

जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। रोटी की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संघर्ष उम्र से बढ़ा। लता ने परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज को सहारा बनाया। मराठी फिल्म ‘किट्टी हसाल’ (1942) में उनका पहला गीत रिकॉर्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ और शमशाद बेगम जैसी दमदार आवाजों के बीच उनकी कोमल आवाज को ‘पतली’ कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत ‘दिल मेरा तोड़ा’ से भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में ‘महल’ का ‘आपणा आनेवाला’ आया और उसी आवाज ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

एक ही आवाज प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी व्यापकता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव तक सीमित नहीं था। ‘लगा जा गले’ में प्रेम, ‘तेरे बिना ज़िंदगी से’ में रिश्तों की कसक और ‘आजारे परदेसी’ में विरह की तड़प थी। ‘ज्योति कलश छलके’ और ‘ओ पालनहारे’ में वही स्वर भक्ति बन गया। वे केवल गीत नहीं गाती थीं, उसके भाव को स्वर देती थीं। 1962 के चीन युद्ध के बाद, 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएँ बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे हटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है— ‘हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख ‘भारतीय दिल खतरे में’ और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है? आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव



में ‘ए मेरे वतन के लोगों’ ने राष्ट्रीय भावना को आवाज दी। जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम हुईं और पूरा देश भावुक हो उठा। उस क्षण लता केवल गायिका नहीं रहीं; उनकी आवाज राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

लता की महानता केवल उनकी आवाज में नहीं, उस आवाज के पीछे की साधना में थी। वे स्टूडियो समय से पहले पहुँचतीं, गीत के हर शब्द को समझतीं और उसे गाने से पहले भीतर उतारती थीं। उनके लिए सुर तकनीक नहीं, साधना था। वे स्टूडियो को मंदिर मानती थीं और अक्सर नौ पाँव गीत रिकॉर्ड करती थीं। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल काम तक सीमित नहीं रहा; उनकी रचनात्मकता एक-दूसरे का विस्तार बनी। छत्तीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गीतों का समग्र भारतीय संगीत पर उनकी अमिट छाप है। हिंदी सिनेमा को व्यापक पहचान देने के साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज की, जिसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

कुछ दिवारे आवाज से नहीं, लगातार मौजूदगी से गिरती हैं। लता ने भी यही किया। जिस दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने बिना शोर उन सीमाओं को पार किया। उनकी कोमल आवाज ने बता दिया कि ताकत ऊँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में होती है।

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियाँ बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है। इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतुप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है। यहाँ चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पड़तियाँ विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुँचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए। सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और

लाखों लड़कियों के लिए वे प्रेरणा बनीं कि कठिन परिस्थितियों में प्रतिभा और परिश्रम रास्ता बना सकते हैं। अपार सम्मान और वैभव के बावजूद उनकी सादगी बनी रही। वे कहती थीं, ‘मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्यार है।’ पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1999), दादा साहब फाल्के पुरस्कार (1989), भारत रत्न (2001) और फ्रांस का लीजन ऑफ ऑनर (2009) उन्हें मिले, लेकिन उनकी पहचान इन सम्मानों से कहीं बड़ी रही। कुछ विदाइयाँ केवल एक व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन थाम देती हैं। 6 फरवरी 2022 को लता मंगेशकर के निधन पर ऐसा ही लगा, जैसे भारतीय संगीत की एक अनुपम धारा रुक गई हो। लेकिन महान स्वर मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते, वे स्मृतियों में जीवित रहते हैं। आज भी किसी पुराने गीत की पहली पंक्ति सुनते ही उनकी आवाज भीतर उतर जाती है—कभी माँ की ममता बनकर, कभी मंदिर की घंटी-सी पवित्रता लेकर, तो कभी राग की गहराई बनकर। देह चली गई, लेकिन स्वर आज भी घरों, रेडियो और दिलों में जीवित है। पीढ़ियाँ बदलेंगी, समय आगे बढ़ेगा, मगर लता की आवाज हर दौर में लौटती रहेगी। शायद अमरता यही है—देह का चले जाना और स्वर का रह जाना।

लता मंगेशकर की जयंती उनके विराट योगदान को याद करने का अवसर है—उस स्वर-साम्राज्य का, जिसका कोई सिंहासन नहीं था, फिर भी करोड़ों दिलों पर उसका राज था। उनका जीवन बताता है कि कलाकार केवल उपलब्धियों से बड़ा नहीं होता; वह तब मानक बनता है, जब उसकी साधना और प्रतिभा समय की कसौटी पर खरी उतरती है। उन्होंने गायन को सुर-ताल से आगे भावों की ऐसी भाषा दी, जिसे पीढ़ियों ने अपने जीवन में महसूस किया। कठोर रियाज, अनुशासन और सादगी उनकी साधना की पहचान रहे। हजारों गीतों में भारतीय जीवन के अनगिनत रंग समाए और पार्श्वगायन को नई उँचाई मिली। संगीत के रूप बदलेंगे, सुनने के ढंग बदलेंगे, लेकिन लता मंगेशकर का योगदान भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेगा। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए; उन्होंने भारतीय मन को गुनगुनाने की एक स्थायी भाषा दे दी।

कृति आरके जैन

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बने। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है। इसके साथ ही सरकारों को ‘हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान’ जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक नि:शुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कर्पनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए ‘हेल्थी हार्ट’ कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियाँ बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं। विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं। हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत छोड़ें। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

ललित गर्ग

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेप्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टेक्स में भारी भर्कम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 तब्धु हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी है। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल सुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं

है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पनेटों में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 तब्धु की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 तब्धु की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियां के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में एक करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में कार्य विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैंक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैंक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे

एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आर्टोफिशियल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूबिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह मौसी अति पवित्र संस्था को परिचित दिशा में केवल जैसी मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, ‘मैं और केवल मैं’ किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

(लेखक:- प्रहलाद सबनानी / इएमएस)

भोपाल के मास्टर प्लान से जबलपुर की बढ़ी उम्मीद

तैयार हुआ पूरे प्रदेश का रोडमैप, अगले सप्ताह शहर को भी मिल सकती है सौगात, दो दशकों के विकास का बनेगा ब्लूप्रिंट

जबलपुर, यशभारत। राजधानी भोपाल के बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट जारी होने के बाद अब जबलपुर के मास्टर प्लान को लेकर भी उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। माना जा रहा है कि भोपाल के मास्टर प्लान में शामिल आधुनिक और व्यावहारिक प्रावधानों की तर्ज पर ही अगले सप्ताह तक लागू होने वाले जबलपुर के मास्टर प्लान की दिशा भी तय होगी।

भोपाल मास्टर प्लान की प्रमुख विशेषताओं पर नजर डालें तो इसमें 12 मीटर व उससे चौड़ी सड़कों पर आवासीय व व्यावसायिक गतिविधियों को एक साथ अनुमति देने, बहुमंजिला इमारतों (FAR/FAR प्रीमियम के आधार पर) के निर्माण की राह आसान करने तथा 75 मीटर तक चौड़ी सड़कों पर असीमित सड़कदेने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) बढ़ाने, बायपास व आउटर रिंग रोड निर्माण, शहर को ट्रेफिक दबाव से बचाने हेतु नए कॉरिडोर, और हेरिटेज पर्यटन जोनों के पुनर्विकास जैसे बिंदु शामिल हैं।

जबलपुर मास्टर प्लान से मुख्य उम्मीदें- इन्फ्रास्ट्रक्चर और एफएआर (FAR) में राहत: भोपाल की तर्ज पर जबलपुर में भी चौड़ी सड़कों पर उच्च सड़क मिलने से शहर में वर्टिकल डेवलपमेंट और गगनचुंबी इमारतों का निर्माण संभव हो सकेगा।

व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा: 12 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर मिश्रित भू-उपयोग (आवासीय और व्यावसायिक) की अनुमति मिलने



से जबलपुर के मुख्य बाजार क्षेत्रों और नई कॉलेनियों में व्यापारिक विस्तार को गति मिलेगी।

रिंग रोड और ट्रेफिक नेटवर्क- जबलपुर में रिंग रोड व बायपास के आसपास लांजिस्टिक्स, कमर्शियल हब तथा व्यवस्थित परिवहन कॉरिडोर

विकसित करने की योजना को बल मिलेगा।

हेरिटेज व पर्यटन संवर्धन: नर्मदा तटों, भेड़घाट और शहर के ऐतिहासिक क्षेत्रों के संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए विशेष प्रावधान आने की संभावना है।

परिसीमन के बाद नए वार्डों के विकास को मिलेगी नई दिशा

परिसीमन के बाद नगर निगम सीमा में कई नए वार्ड जोड़े गए थे, जिनमें ज्यादातर ग्रामीण और बाहरी क्षेत्र शामिल हैं। नया मास्टर प्लान आने के बाद इन नए वार्डों के विकास को लेकर एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार होगी। इससे नीतिगत विकास के साथ-साथ भौगोलिक स्तर पर मौजूद संभावनाओं को गति मिलेगी और विकास कार्य तेजी से हो सकेंगे।

36 गांवों का समावेश और अवैध प्लॉटिंग पर लगेगा अंकुश

मास्टर प्लान में बरेला, पाटन-सहपुरा और कटंगी रोड के नए क्षेत्रों को जोड़े जाने की प्रबल उम्मीद है, जिसमें लगभग 36 गांवों को शामिल करने की चर्चा है। इससे इन इलाकों में आधारभूत ढांचे का विकास संभव होगा। इसका सबसे बड़ा लाभ शहर के आसपास हो रही अवैध (कच्ची) प्लॉटिंग पर अंकुश के रूप में मिलेगा। मास्टर प्लान से यह तय हो जाएगा कि कौन सा क्षेत्र किस उपयोग (लैंड यूज) के लिए आरक्षित है, जिससे योजनाबद्ध और सही तरीके से विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

गढ़ाफटक में पुरानी रजिश पर खूनी संघर्ष

बेस बॉल के डंडों और तलवारों से हमला, चार व्यक्ति घायल

जबलपुर, यश भारत। गढ़ाफटक में रोड स्थित श्री साई गणेश उत्सव समिति के पास पुरानी रजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि 15 से 20 लोग तलवारों समेत अन्य हथियार लेकर पहुंचे और घर के बाहर बैठे लोगों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से इलाके में अप्पा-तप्परी मच गई। घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले राजा रसगुल्ल वाली गली में कपिल सोनकर, राहुल सोनकर और उनके साथियों का मोहल्ले के कुछ युवकों से विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मारपीट भी हुई थी और मामला थाने तक पहुंचा था। इसी घटना को लेकर दोनों पक्षों के बीच रजिश चल रही थी। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के बाद तरुण सोनकर और कपिल सोनकर समेत कई लोग गढ़ाफटक पहुंचे। आरोप है कि उनके हाथों में तलवारें और अन्य हथियार थे। हमलावरों ने घर के बाहर बैठे अहिरवार परिवार के लोगों को निशाना बनाया और हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में विपिन अहीरवार, दीपक अहिरवार, इमारती अहिरवार और अमित अहीरवार घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही लार्डगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाने के साथ विवाद की पूरी पृष्ठभूमि की जांच शुरू कर दी है।

हिरण नदी पुल पर ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

जबलपुर यशभारत। कटंगी मार्ग पर हिरण नदी पुल के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक बाइक से कटंगी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए पहले कटंगी अस्पताल लाया गया जहां से उसकी हालत को गंभीर देखते हुए मेडिकल अस्पताल

पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। इस दुर्घटना के संबंध में कटंगी पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि पौड़ी निवासी

अधिकतम क्षमता
422.76 मीटर

वर्तमान स्थिति
423.06 मीटर

क्षमता से अधिक भरा बरगी बांध 17 गेट खुले, 21 की नौबत

तिलवारा का पुराना पुल डूबा, धुआधार गायब, डेम के पुल पर 10 फिट पानी

जबलपुर, यशभारत। बरगी बांध के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते बांध में पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती आवक और जलस्तर को देखते हुए बांध प्रबंधन ने रविवार सुबह 11 बजे चार और गेट खोल दिए। इसके साथ ही बांध के खुले गेटों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। सभी गेटों से औसतन 2.36 मीटर की ऊंचाई से करीब 6136 क्यूमेक पानी प्रति सेकंड नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। बांध प्रबंधन के अनुसार रविवार सुबह बांध का जलस्तर 423.06 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बांध की निर्धारित जलस्तर क्षमता 422.76 मीटर है। जलस्तर और पानी की आवक को देखते हुए गेटों से जल निकासी बढ़ाई गई है। बांध के 17 गेट खुलने के बाद गेटों के सामने बने पुल के ऊपर से करीब 10 फीट तक पानी बह रहा है। स्थिति को देखते हुए बांध प्रबंधन लगातार जलस्तर और आवक की निगरानी कर रहा है।

घाटों पर 8 से 10 फीट तक बढ़ सकता है जलस्तर

बरगी बांध से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने का असर नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर भी दिखाई देगा। अनुमान है कि वर्तमान जलस्तर की तुलना में घाटों पर 8 से 10 फीट तक जलस्तर बढ़ सकता है। इससे नदी किनारे और निचले इलाकों में पानी का दबाव बढ़ने की संभावना है। प्रशासन और बांध प्रबंधन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

रविवार को खुले बैंक, कल से तीन दिन ठप्प रहेगा कामकाज

जबलपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (UFBU) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सोमवार से बैंक कर्मियों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू हो रही है। 28 से 30 सितंबर तक चलने वाली इस हड़ताल के कारण लगातार तीन दिनों तक शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह ठप्प रहेंगी। हालांकि, हड़ताल के दौरान आम उपभोक्ताओं को सहूलियत देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के निर्देश पर आज, 27 सितंबर (रविवार) को शहर की सभी सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक शाखाएं और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खोले गए। रविवार के दिन बैंक खुले रहने से शाखाओं में सामान्य दिनों की तरह काम चल रहा है और नागरिक लेनदेन के लिए पहुंच रहे हैं। सोमवार से शुरू हो रही हड़ताल के कारण शाखा आधारित सेवाएं जैसे कैश जमा एवं निकासी, चेक क्लियरेंस, लोन प्रक्रिया, केवाईसी (KYC) अपडेट और अन्य नियमित प्रशासनिक कार्य सीधे तौर पर प्रभावित रहेंगे। डिजिटल सेवाएं रहेंगी बहाल कुछ शाखाओं में भ्रम की स्थिति- हड़ताल के दौरान शाखाओं का कामकाज बंद रहने के बावजूद यूपीआई (UPI), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम (ATM) जैसी डिजिटल सेवाएं सुचारु रूप से जारी रहने की संभावना है।

शीतल दास की बगिया में श्रद्धालुओं ने किया पितरों का तर्पण

गोपाल, यश भारत। पितृ पक्ष के अवसर पर रविवार को शीतल दास की बगिया में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पितरों के तर्पण के लिए पहुंचे। सुबह से ही यहां धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से तर्पण कर अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित की। तर्पण के लिए पहुंचे लोगों ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान किए और अपने पितरों की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान बगिया परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। धार्मिक आयोजन के चलते यहां वातावरण भक्तिमय नजर आया। पितृ पक्ष के दौरान शीतल दास की बगिया में बड़ी संख्या में लोग अपने पूर्वजों के निमित्त धार्मिक कर्मकांड करने पहुंचते हैं। रविवार को भी परिवारों ने सामूहिक रूप से तर्पण और अन्य धार्मिक क्रियाएं पूरी कीं।

पति से विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत से महिला ने लगाई छलांग

कटनी, यशभारत। जिला अस्पताल परिसर में शनिवार को उस समय हड़कप मच गया, जब एक महिला निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत की छत पर पहुंच गई और देखते ही देखते नीचे छलांग लगा दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को तत्काल ओपीडी लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर, रीफर किया गया है। जानकारी के अनुसार माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंद्रा ज्योति कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दुर्गा वंशकार पति से विवाद के बाद जिला अस्पताल में स्थित निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल पर चढ़ गई। महिला को ऊंचाई पर खड़ा देख अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों की नजर उस पर पड़ी। इसके बाद उसे नीचे उतारने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों और पुलिस ने करीब 30 मिनट तक समझाने का प्रयास किया। महिला को लगातार नीचे आने के लिए कहा जा रहा था लेकिन इसी दौरान उसने अचानक चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। महिला के नीचे गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल कर्मचारियों और मौजूद लोगों ने तत्काल उसे उठाकर इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

60 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा का उत्सव, मुंबई में जुटे 24 देशों के हजारों साधक विवेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की थीम पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

मुंबई, यश भारत। श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर की ओर से पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के 60वें जन्मदिवस के अवसर पर 25 और 26 सितंबर को मुंबई के जियो विश्व सम्मेलन केंद्र में दो दिवसीय 'आहो गुरुदेव' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 214 शहरों, 24 देशों और पांच महाद्वीपों से हजारों साधक शामिल हुए। दो दिवसीय आयोजन को विवेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की अवधारणा पर केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, धार्मिक अनुष्ठान और सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। गुरुदेवश्री राकेशजी ने समारोह के दौरान सचेत होकर चुनाव करने, साहसपूर्वक त्याग करने और करुणापूर्वक सेवा करने के विषयों पर तीन प्रवचन दिए। पहले दिन वरिष्ठ संन्यासी आत्मार्षित नेमिजी ने गुरुदेवश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सार्वभौमिक उत्थान के लिए 60 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इनमें 30 परियोजनाएं निस्वार्थ सेवा और 30 आध्यात्मिक विकास से जुड़ी हैं। समारोह का दूसरा दिन आत्मार्षित दीक्षा समारोह के लिए विशेष रहा। इसमें 11 युवा साधकों ने ब्रह्मचर्य के संकल्प के साथ दीक्षा ग्रहण की। इसके अलावा दुनिया भर के साधकों की ओर से शुभकामनाओं की वैश्विक प्रस्तुति और युवाओं द्वारा 'आहो गुरुदेव' सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आयोजन में विभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के संतों और धर्मगुरुओं की भी उपस्थिति रही। इनमें स्वामी स्वरूपानंदजी, ब्रह्माकुमारी सिस्टर शिवानी, मोरारी बापू, आनंदमूर्ति गुरुमां और स्वामी विद्वानंद सरस्वती सहित अन्य संत शामिल रहे। समारोह में उद्योग, कला और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग भी पहुंचे। नारायण मूर्ति, एन. चंद्रशेखरन और अभिनेता रणबीर कपूर समेत कई हस्तियों ने गुरुदेवश्री के सेवा और आध्यात्मिक कार्यों की सराहना की। मुंबई से शुरू हुआ यह वर्षभर चलने वाला समारोह देश के विभिन्न शहरों के साथ दुबई, लंदन, टोरंटो और अमेरिका के शहरों तक पहुंचेगा।

टेस्ट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल



मुम्बई (ईएमएस)। टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनने वाले विश्व के पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल है। इस विशिष्ट सूची में भारत के सचिन तेंदुकर और राहुल द्रविड़ के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के जैक कालिस और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग व इंग्लैंड के जो रूट भी शामिल हैं। सबसे पहले ये उपलब्धि सचिन ने हासिल की थी। सचिन को इस आंकड़े तक पहुंचने में 20 साल और 63 दिन का समय लगा था। उन्होंने साल 2010 में बांग्लादेश के खिलाफ 163 वें टेस्ट मैच की 266वीं पारी के दौरान सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 2 जनवरी 2013 को न्यूजीलैंड के खिलाफ केप टाउन में यह उपलब्धि हासिल की। अपने डेब्यू के 17 साल और 19 दिन बाद, 159वें मैच की 269वीं पारी में कैलिस ने 13,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इस प्रकार उन्होंने 13000 तक पहुंचने के लिए सचिन से केवल 3 पारियां अधिक खेलीं। इसी सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तानो रिकी पोंटिंग को है। पोंटिंग ने . 24 जनवरी 2012 को भारत के खिलाफ एडिलेड के ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर अपने 13,000 रन 162वां मैच की 275वीं पारी में पूरे किये। अपने डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 16 साल और 47 दिन का समय लगा। इसके बाद नाम आता है भारत के मिस्टर भरोसेमंद कहे जाने वाले



राहुल द्रविड़ था। द्रविड़ ने 22 नवंबर 2011 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेलते हुए अपने करियर के 160वें मैच की 277वीं पारी में अपने 13,000 रन पूरे किए। डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 15 साल और 155 दिन लगे। क्रीज पर टिककर खेलने के कारण ही वह यहां तक पहुंच पाये। वर्तमान समय के क्रिकेटर्स की बात करें तो इस सूची में एकमात्र नाम इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट का है। 13 दिसंबर 2012 को भारत के खिलाफ नागपुर में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले रूट ने 22 मई 2025 को जिम्बाब्वे के खिलाफ नॉटिंगम में खेलते हुए 13,000 रनों का कठिन आंकड़ा हासिल कर लिया। अहम बात ये रही कि पारियों के लिहाज से रूट ने 279 पारियों (153 मैचों) में ही यह कारनामा किया, लेकिन समय के मामले में उन्होंने सबसे कम समय 12 साल में ही वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

23वीं राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ, प्रदेशभर से जुटे तीरंदाज

जबलपुर, यश भारत। मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के तत्वावधान में 23वीं जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और तीरंदाजी की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में 70 मीटर रिकर्व, 50 मीटर कंपाउंड और 30 मीटर इंडियन राउंड की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें अलीराजपुर, झाबुआ, धार, धार एसएआई, इंदौर, देवास, खरगोन, उज्जैन, गुजालपुर, सीहोर, भोपाल, नर्मदापुरम, नरसिंहागढ़, जबलपुर, सतना, रीवा, सिंगरौली, भिंड, आर्मी और सागर सहित विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन का संदेश उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी और मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने की। इस दौरान डीके विद्यार्थी, वेद कुमार, मध्यप्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक, पुष्पराज सिंह, अभय नायक, दिलीप गंग सहित अन्य पदाधिकारी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

अशोक रोहाणी ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दिग्विजय सिंह ने खिलाड़ियों को खेल में निरंतर सुधार और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसिएशन की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वेद कुमार ने नियमित अभ्यास और खेल में निरंतर प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

जूनियर वर्ग के परिणाम- जूनियर वर्ग की कंपाउंड पुरुष स्पर्धा में राज कौरव ने प्रथम, दीक्षांत



करौले ने द्वितीय और समर जटविया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कंपाउंड महिला वर्ग में त्रिज्या पाटिल प्रथम, नेहा राज द्वितीय और पारुल नंदा तृतीय रहीं।

रिकर्व पुरुष वर्ग में दीपांशु नंदा ने प्रथम, हरि ठाकुर ने द्वितीय और वंश डगर ने तृतीय स्थान हासिल किया। रिकर्व महिला वर्ग में आर्याशा प्रजापत प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय और प्राची भायन तृतीय रहीं।

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में कुश नामदेव ने प्रथम,

रोहित गुप्ता ने द्वितीय और ओम प्रकाश साकेत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंडियन राउंड महिला वर्ग में ऐश्वर्या सैनी प्रथम, निशा अहिरवार द्वितीय और भाव्या शर्मा तृतीय रहीं।

जूनियर वर्ग की स्पर्धाओं के बाद अब 28 सितंबर से सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता शुरू होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीम

नगोया (ईएमएस)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ट टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाती है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकित्हा तानिपाथी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वाटर् फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वाटर् फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नाम, चिकित्हा तानिपाथी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वाटर् फाइनल में कजाकिस्तान की रोकसाना यूनुसोवा, विक्टोरिया



ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबु, त्सेतुम गेल्गे और टंडिन दोरजी को क्वाटर् फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिश्रित टीम चैंपियनों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

रंग संसार

ढिंडोरा 2 अब नेटफिलक्स पर दस्तक देने को तैयार



मुंबई (ईएमएस)। दर्शक लंबे समय से अभिनेता भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज ढिंडोरा के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था, और अब, ढिंडोरा 2 एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यूट्यूब पर रिलीज हुई ढिंडोरा 2 सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। हाल ही में सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने बताया कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा।

भुवन बाम ने ढिंडोरा 2 बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, सीरीज ढिंडोरा मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है। भुवन ने जोर देते हुए कहा, ढिंडोरा 2 में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे। उन्होंने बताया कि सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके। भुवन ने आगे कहा, अब ढिंडोरा 2 जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मेच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूँ। उन्हें स्पर्शित है कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वे इस सीरीज को पसंद करते आए हैं, साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी। बीबीकेवी प्रोडक्शन्स के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी ढिंडोरा के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटफिलक्स तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है।

दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए। मालूम हो कि ढिंडोरा का पहला सीजन 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुआ था और उसे दर्शकों का काफी प्यार मिला था।

ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, कहती हैं - अब प्रोजेक्ट्स के बीच अपनी जिंदगी जी पाती हूं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आशा नेगी इन दिनों अपनी वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में अलीशा निगम के किरदार से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वह इस समय अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का भरपूर लुफ्त उठा रही हैं। उन्होंने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है, और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पदों पर लौटने का अवसर मिलता है। आशा नेगी ने अपनी अभिनय यात्रा



और प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, मैं एक एक्टर हूँ और बस एक्टिंग करना चाहती हूँ। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूँ, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूँ और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूँ क्योंकि यह एक-दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप प्री हो जाते हो। उन्होंने विस्तार से बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी को भी

बेहतर तरीके से जीने का मौका मिलता है। आशा नेगी ने कहा, फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।

‘अभिनेत्री आशा नेगी ने जोर देकर कहा कि उन्हें ए-एनए किरदारों को एक्सप्लोर करने की यह पूरी प्रक्रिया बेहद पसंद आ रही है, क्योंकि यह उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने और विभिन्न भूमिकाओं में ढलने का अवसर देती है। उनकी वर्तमान वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में, आशा नेगी ने अलीशा निगम नाम की एक गोस्ट वटर का दमदार किरदार निभाया है।



आलिया भट्ट की फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने जीता मां सोनी राजदान का दिल

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की नवीनतम रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी, जिसके बाद उनकी मां और अनुभवी अभिनेत्री सोनी राजदान ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की स्क्रीनिंग की एक तस्वीर साझा करते हुए निर्देशक श्रीति मुखर्जी और फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखने वाले पाँच नए प्रतिभाशाली चेहरों को विशेष बधाई दी। उन्होंने लिखा, बधाई हो, ये एक शानदार फिल्म है और इसके साथ ही 5 नए टैलेंट ने इंडस्ट्री में कदम रखा है। श्रीति मुखर्जी को दिल से सलाम, दिल और पागलपन से भरी एक फिल्म बनाने के लिए। नए चेहरों की बेहद टैलेंटेड कास्ट ने इसे बखूबी निभाया है। यह फिल्म आलिया भट्ट के लिए निर्माता के तौर पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। उन्होंने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर अपने प्रोडक्शन हाउस इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शन्स के बैनर तले इस फिल्म को रिलीज किया है। श्रीति मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुख्य रूप से चार नए कलाकारों आरुषि बजाज, अंश दुगल, बिर्याका अरोड़ा और पीयूष खाटी को दर्शकों के सामने लेकर आई है। इनके अलावा, अनुभवी कलाकार कुणाल रॉय कपूर, नेहा धूपिया और अनुपम बसु भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे कहानी को और गहराई मिलती है।

ऋतिक के साथ बनाये छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता के कैरियर की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। सफल कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और लेखिका के तौर पर आज प्राजक्ता कोली डिजिटल दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। प्राजक्ता कोली को मोस्टली सेन के नाम से जाना जाता है। कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और मिसमैट्स से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के क्रिएटर्स फॉर चेंज प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और पलूव अमेरिकी फस्ट लेडी मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया। मालूम हो कि प्राजक्ता का सपना सिर्फ एक रेंडियो जॉकी बनने का था। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए वह एक रेंडियो स्टेशन में इंटरनिशर कर रही थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि एक दिन रेंडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा पूरी तरह बदल देगा और उन्हें यूट्यूब की दुनिया में ले आएगा। हाल ही में पहला पहला के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह



ठाणे में पली-बढ़ीं और बचपन से ही रेंडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने रेंडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस समय फिल्म बैंग बैंग रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए

रेंडियो स्टेशन आए थे। प्राजक्ता ने बताया, रेंडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वह एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूँ। प्राजक्ता ने आगे बताया कि वह डांस करने के लिए तैयार हो गईं और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे, जिन्होंने डांस के बाद प्राजक्ता का ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। प्राजक्ता ने कहा, उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप उनके पास आए और पूछा कि क्या वह इस तरह के वीडियो बनाती हैं। प्राजक्ता ने साफ कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करतीं। इसके बाद सुदीप ने उन्हें अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि उन्हें यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए।

